B.Ed. 2nd Year (18-20)

Page No.
Date 11/06/2020

Paper - C-11 (C) By - Seema kumari

(Guidance and Counselling)

Unit - 3

Case Study :-
(एकल अध्ययन)

'एकल अध्ययन' का अर्थ किसी व्यक्ति विशेष से नहीं होता है बल्कि इसका तात्पर्य एक संस्था, शब्द, धर्म, एक व्यक्ति या समूह से होता है।

अर्थात एकल अध्ययन एक ऐसी प्रक्रिया है जो सामाजिक जीवन की इकाई को विभाजन व खोज करती है। चाहे वह व्यक्तिगत परिवार, संस्था, सांस्कृतिक समूह हो या सार्वभौमिक समुदाय।

* एकल अध्ययन की परिभाषा :-

* पी.वी. यंग के अनुसार :- " किसी व्यक्ति या समूह का गहन अध्ययन ही जीवन का ऐतिहासिक अध्ययन कहलाता है।"

* एकल अध्ययन विधि की विशेषताएं :-

(1) निरंतरता
(2) प्रदत्तों की पूर्णता
(3) प्रदत्तों की वैधता

Scanned with CamScanner

→ (4) आलेख की गोपनियता

→ (5) वैज्ञानिक विश्लेषण

* **वैयक्तिक अध्ययन के प्रकार :-**

(Types of case study)

→ (1) सामाजिक या समुदाय वैयक्तिक अध्ययन

→ (2) कारण का तुलनात्मक अध्ययन

→ (3) क्रियात्मक विश्लेषण

→ (4) पाठ्यक्रम का विश्लेषण

→ (5) अनुगामी कार्यक्रम

→ (6) अध्ययनों की प्रवृत्ति

* **वैयक्तिक अध्ययन के उद्देश्य :-**

(Objectives of Case Study)

(i) उपचारात्मक उद्देश्य (बीमारी से संबंधित वार्ता)

(2) निदानात्मक उद्देश्य (कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षण से संबंधित परिस्थितियों में उपचारात्मक निर्देशन देना।)

Scanned with CamScanner

Page No.
Date

(3) शैक्षिक एवं मनोवैज्ञानिक समस्याओं से संबंधित तथ्यों का अध्ययन करना,

(4) अन्य सूचनाओं को एकत्रित करना यह एक अनुकरणीय कार्य भी हो सकता है।

* एकल अध्ययन के सोपान :-
(Steps of Case Study)

- (1) स्थिति का स्तर या अध्ययन का केंद्र।
- (2) आंकड़ों का संकलन, परीक्षण तथा इतिहास।
- (3) कारण प्रभाव के लक्षणों को पहचानना।
- (4) समायोजन तथा उपचार।
- (5) अनुगामी सेवा कार्यक्रम का आयोजन।

* एकल अध्ययन के उपयोग :-

- (i) कानून के क्षेत्र में।
- (ii) बाल-अपराधी के लिए।
- (iii) उपचार के लिए।

Scanned with CamScanner

Date

→ (iv) मनोविज्ञान ।

→ (v) शिक्षा ।

→ (vi) परामर्श तथा निर्देशन में ।

→ (vii) सामाजिक विज्ञान में, ।

→ (viii) अर्थशास्त्र में ।

→ (ix) व्यापारिक प्रशासन में ।

→ (x) राजनीतिशास्त्र एवं संपादकीय क्षेत्रों में ।

इसप्रकार उपरोक्त क्षेत्रों में सफल अध्ययन प्रविधि को प्रयोग में लाकर नवेभिन्न क्षेत्रों में बालक के विकास को महत्वपूर्ण योगदान किया जा सकता है।

* सफल अध्ययन की सीमाएँ (दोष) =

1) वस्तुनिष्ठता से अध्ययन करना कठिन है।

2.) अवधारणाओं का सूत्रपात करना कठिन हो जाता है।

3) आंकड़े तथा सूचनायें क्रमबद्ध रूप से प्राप्त नहीं हो पाती हैं।

Scanned with CamScanner

Page No.
Date

4) सांख्यिकीय निष्कर्ष सही नहीं निकाले जा सकते हैं।

5) अभिभावक तथा संबंधित व्यक्ति या व्यक्ति से संबंधित कमजोरियों को बताना पसंद नहीं करते हैं।

6) इसमें समय तथा धन का अपव्यय अधिक होता है।

7) यह किसी भी क्षेत्र में संबंधित ज्ञान को कोई भी नया योगदान नहीं देती है इससे सुधार ही किया जा सकता है।

अतः हम कह सकते हैं कि एकल अध्ययन में विषय का निकट से अध्ययन किया जाता है साथ ही इसमें अतीत, वर्तमान भविष्य तीनों अवस्थाओं का अध्ययन किया जाता है। इसे विकासात्मक अध्ययन भी कहते हैं।

0